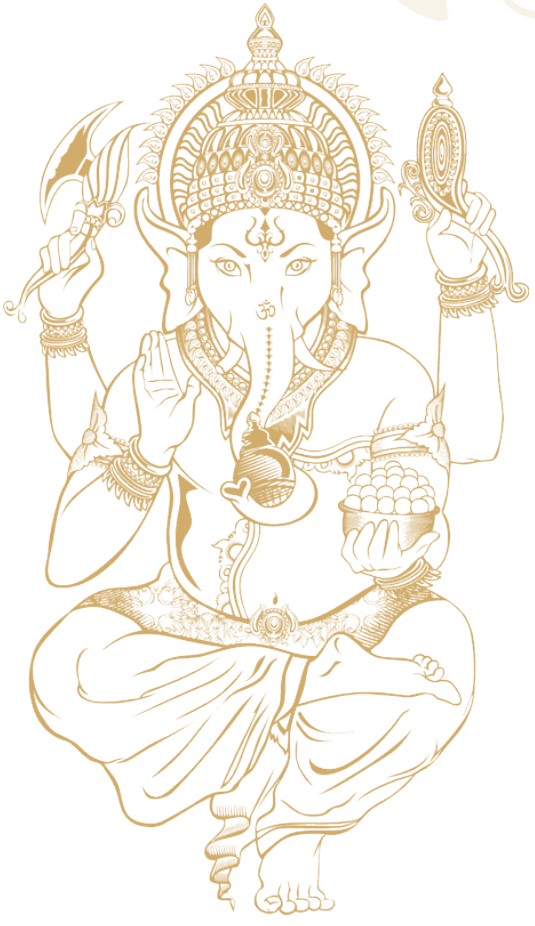

Singh

13 Mar 2020

12:23 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121147502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/03/2020**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**12:23:00 घंटे**
इष्ट	14:34:43 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:01:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:23 घंटे
साम्पातिक काल	23:27:21 घंटे
सूर्योदय	06:33:06 घंटे
सूर्यास्त	18:28:23 घंटे
दिनमान	11:55:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	29:01:25 कुम्भ
लग्न के अंश	10:53:12 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	व्याघात
करण	कौलव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ता-तरुण
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	10:53:12	323:56:42	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	---
सूर्य			कुंभ	29:01:25	00:59:50	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	19:01:39	14:33:52	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	सम राशि
मंगल			धनु	23:41:10	00:41:36	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
बुध			कुंभ	04:33:48	00:18:09	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु			धनु	27:33:07	00:09:49	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			मेष	14:39:51	01:03:32	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			मक	05:09:13	00:05:07	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	स्वराशि
राहु	व		मिथु	10:37:45	00:06:21	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	उच्च राशि
केतु	व		धनु	10:37:45	00:06:21	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	उच्च राशि
हर्ष			मेष	10:05:05	00:02:47	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	---
नेप			कुंभ	24:26:29	00:02:16	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			मक	00:24:10	00:01:13	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	26:58:26	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:04

लग्न-चलित

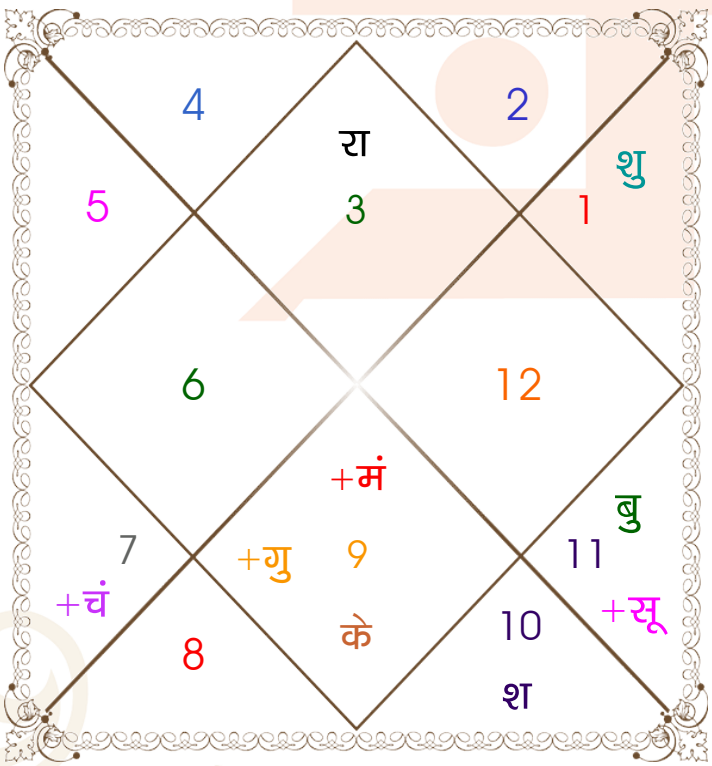

चन्द्र कुंडली

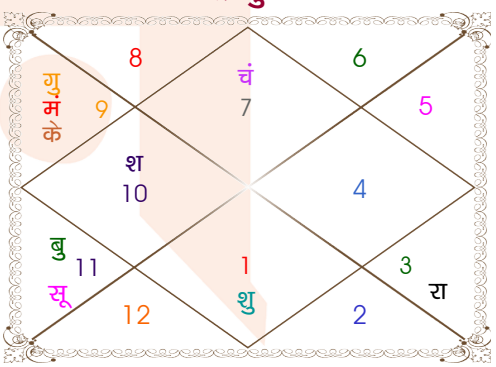

नवमांश कुंडली

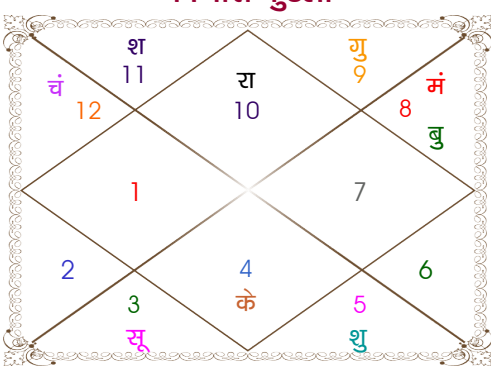

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 1 वर्ष 3 मास 22 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
13/03/2020		06/07/2021		06/07/2037		05/07/2056		06/07/2073	
06/07/2021		06/07/2037		05/07/2056		06/07/2073		05/07/2080	
	00/00/0000	गुरु	24/08/2023	शनि	08/07/2040	बुध	02/12/2058	केतु	02/12/2073
	00/00/0000	शनि	06/03/2026	बुध	18/03/2043	केतु	29/11/2059	शुक्र	01/02/2075
	00/00/0000	बुध	11/06/2028	केतु	26/04/2044	शुक्र	29/09/2062	सूर्य	09/06/2075
	00/00/0000	केतु	18/05/2029	शुक्र	27/06/2047	सूर्य	05/08/2063	चंद्र	08/01/2076
	00/00/0000	शुक्र	17/01/2032	सूर्य	08/06/2048	चंद्र	04/01/2065	मंगल	05/06/2076
	00/00/0000	सूर्य	04/11/2032	चंद्र	07/01/2050	मंगल	01/01/2066	राहु	23/06/2077
	13/03/2020	चंद्र	06/03/2034	मंगल	16/02/2051	राहु	21/07/2068	गुरु	30/05/2078
चंद्र	17/06/2020	मंगल	10/02/2035	राहु	23/12/2053	गुरु	26/10/2070	शनि	09/07/2079
मंगल	06/07/2021	राहु	06/07/2037	गुरु	05/07/2056	शनि	06/07/2073	बुध	05/07/2080

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/07/2080		06/07/2100		07/07/2106		06/07/2116		07/07/2123	
06/07/2100		07/07/2106		06/07/2116		07/07/2123		00/00/0000	
शुक्र	05/11/2083	सूर्य	24/10/2100	चंद्र	07/05/2107	मंगल	02/12/2116	राहु	19/03/2126
सूर्य	04/11/2084	चंद्र	24/04/2101	मंगल	06/12/2107	राहु	21/12/2117	गुरु	12/08/2128
चंद्र	06/07/2086	मंगल	30/08/2101	राहु	06/06/2109	गुरु	27/11/2118	शनि	19/06/2131
मंगल	05/09/2087	राहु	25/07/2102	गुरु	06/10/2110	शनि	06/01/2120	बुध	05/01/2134
राहु	05/09/2090	गुरु	13/05/2103	शनि	06/05/2112	बुध	02/01/2121	केतु	24/01/2135
गुरु	06/05/2093	शनि	24/04/2104	बुध	06/10/2113	केतु	31/05/2121	शुक्र	23/01/2138
शनि	05/07/2096	बुध	01/03/2105	केतु	07/05/2114	शुक्र	31/07/2122	सूर्य	18/12/2138
बुध	06/05/2099	केतु	07/07/2105	शुक्र	06/01/2116	सूर्य	06/12/2122	चंद्र	14/03/2140
केतु	06/07/2100	शुक्र	07/07/2106	सूर्य	06/07/2116	चंद्र	07/07/2123		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 1 वर्ष 3 मा 28 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं तुला का द्रेष्काण भी उदित था। फलस्वरूप स्पष्ट रूपेण यह विदित होता है कि आपका व्यक्तित्व विखंडित है। यदा-कदा आप अपने भरोशे ही निश्चित रूप से दूसरे व्यक्ति की संपत्ति अधिग्रहण करेंगे। आप किसी अन्य व्यक्ति को बुद्धिमत्ता पूर्वक अनुचित ढंग से बहुत लाभ उठाने के लिए अपने साथ संलग्न कर लेंगे। आप किसी प्रकार दो परस्पर विरोधी विशिष्ट कार्य संपादन कर सकेंगे। यह अनुमान कोई भी व्यक्ति नही लगा सकता है।

आप बहुत ही चुस्त चालाक व्यक्ति हैं। आप किसी भी व्यक्ति का अध्ययन का कलात्मक ढंग से उसकी भावना को अनुकूल रूपेण परिवर्तित कर देंगे।

आप गायन एवं नृत्य कला से आनंद प्राप्त करते हैं तथा आपकी विनोदी अर्थात् मनोरंजक वार्तालाप से अन्य लोग प्रभावित होते हैं। यह तथ्य पूर्ण विषय है कि आप किसी भी क्षेत्र में उच्चतम शिखर तक उन्नति प्राप्त करेंगे। लेकिन आप आत्मसंयम पूर्वक एकाग्र होकर किसी न किसी प्रकार कर्म व्यवसाय के लिए कोई न कोई (हल) मध्यमार्ग अपना कर तथा अन्य क्षेत्र को पार कर सफल हो जाएंगे। आपमें एक बड़ी दुर्बलता है कि आप किसी कार्य को आगे बढ़ाकर पीछे हट जाते है। यदि आप अपनी मनोभिलाषा को दृढ़ रखें तथा उच्चस्तरीय कार्य संपादन करें तो आप सफलता प्राप्त कर लेंगे।

आप में अन्य नकारात्मक दुर्गुण यह है कि आप अपनी चिड़-चिड़ापन प्रवृति के प्रति सतर्क नही रहते अस्तु अपनी मनोदशा में परिवर्तन लाएं।

आप अति शीघ्रता पूर्वक अपना धैर्य खो बैठते हैं। अर्थात् आपको धैर्य धारण करना चाहिए। इस प्रकार की प्रवृति से आपको आत्मनिर्भर होने में विलंब हो सकता है। इस प्रकार आपको समझ पाना उनके लिए दुष्कर है। क्योंकि आप उन पर अपना प्रभाव दोहरी नीति से डालकर आनंद प्राप्त करते हैं। यह भी विचारणीय है कि वास्तव में आपकी भावनाओं को सभी जन संक्षिप्त रूप से अन्यथा समझते है।

आपका रंग सांवला, दुबला-पतला शरीर एवं उच्च आकृति के प्राणी हैं। यह सत्य एवं प्रमाणित है कि विपरीत योनि के सदस्य आपकी आकर्षक आखों एवं रूचिकर आनंददायक बातों से प्रसन्न एवं आप से युक्त रहते हैं। परिणामस्वरूप आपके अनेक प्रेम संबंध है तथा आप पूर्ण रूपेण असंभाव्य रोमांचक एवं दुःसाहसपूर्ण रवैये के भुक्त भोगी है। आप घर में अपनी तानाशाही प्रवृत्ति के अनुकूल जीवन साथी पर नियंत्रण रखना चाहते हैं। जो आपकी कामुकता संबंधी स्वार्थ साधन का सहयोगी हो। परंतु जब पत्नी इसे स्वीकार नही करती तो आप कामवासना की पूर्ति हेतु घर से बाहर अपना संबंध का विस्तार करते हैं। आप घर से बाहर अपने प्रेम संबंधी को सावधानिक पूर्वक चयन करते हैं।

मिथुन लग्नादि से संबंधित प्राणी के लिए अनुकूल व्यक्ति वह है जिसका जन्म

सिंह, मेष, तुला एवं कुंभ राशि लग्न में हुआ हो। यदि आप समुचित जीवन साथी का चयन कर सके तो मात्र आपका जीवन ही शांति पूर्ण नही रहेगा बल्कि सर्वथा अच्छी संतान का सच्चा आनंद प्राप्त करेंगे। आपको अपने जीवन मार्ग पर अखंडित और बाधा रहित आनंदपूर्ण जीवन बिताने के लिए आपके जीवन की अनुकूल आयु पचीसवां वर्ष से उज्जवलतम है। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। आपको अपनी स्वास्थ्य की रक्षा एवं सुख पूर्वक जीवन निर्वाह हेतु श्वांस रोग, दमा, कफ उदासीनता एवं स्वरभंग रोगादि को उत्पन्न नही होने देने की सतर्कता से बहुत दिनों तक स्वस्थ्य रहेंगे।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 7 एवं 3 अंक अनुकूल एवं चमत्कारिक है। परंतु अंक 4 और 8 अंक आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए रंग मोतिया, नीला, हरा पीला एवं गुलाबी रंग अनुकूल है एवं लाल रंग एवं काला रंग सर्वथा त्यागनीय है।